नाम - राहुल गोयल
पेपर → पेपर - 5
दिनांक - 17-03-22

प्रश्न प्रश्न 1
1.1

उत्तर किसी पत्र को लिखने से पूर्व जो कच्चा मसौदा तैयार किया जाता है उसे प्रारूपण कहते हैं। अधिकारी के हस्ताक्षर के बाद पत्र बनता है।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.2

उत्तर उत्पत्ति की दृष्टि से शब्द पाँच प्रकार के होते हैं, यथा - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज व संकर।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.3

उत्तर वे शब्द जो किसी शब्द के पीछे जुड़कर उसका अर्थ परिवर्तित करते हैं प्रत्यय कहलाते हैं ये दो प्रकार के होते हैं - कृत और तद्धित प्रत्यय।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.4

उत्तर पारिभाषिक शब्द केवल एक विशेष अर्थ देते हैं जबकि अर्धपारिभाषिक शब्द विशेष अर्थ के साथ ही सामान्य अर्थ भी देते हैं।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.5

उत्तर एक से अधिक वर्णों के मेल से बना ऐसा युग्म जो एक निश्चित अर्थ का बोध कराये शब्द कहलाता है।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.6 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर देवनागरी लिपि का विकास

ब्राम्ही → खरोष्ठी → गुप्त → कुटिल → नागरी

देवनागरी ← पश्चिम पूर्वी

प्रश्न 1.7 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर व्याकरण भाषा का वह ज्ञान है जिससे हमें उस भाषा की शुद्धतम पहचान प्राप्त होती है। व्याकरण में भाषा के नियम होते है।

प्रश्न 1.8 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर सार्थक शब्द युग्म मे दोनो शब्द किसी अर्थ का बोध कराते है जैसे यहाँ- वहाँ, जबकि निरर्थक शब्द में ऐसा नहीं होता जैसे चाय-वाय।

प्रश्न 1.9 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर किसी व्यंजन के स्वर अथवा व्यंजन से मिलने पर उत्पन्न विकार को व्यंजन संधि कहते हैं, जैसे सत् + उपकार = सदुपकार।

प्रश्न 1.10 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर समास का अर्थ होता है संक्षेप, अर्थात जब किसी बात को संक्षेप में कहा अथवा लिखा जाये तो उसे समास कहते है। जैसे रस मे गुल्ला = रसगुल्ला

प्रश्न 1.11 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर पल्लवन की तीन विशेषताऐं → (1) सरल व सहज
(2) लोकोक्ति व मुहावरों का प्रयोग
(3) स्वत: पूर्ति: (4) प्रभाव शाली अभिव्यक्ति।

प्रश्न 1.12 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर कर्मधारय समास मे पूर्व पद विशेषण तथा उत्तर पद विशेष्य होता है और उत्तर पद प्रधान होता है जबकि बहुब्रीहि में दोनों पद अप्रधान होते हैं।

प्रश्न 1.13 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर किसी आदेश, सूचना, नीतियत निर्णय आदि को सूचनार्थ हेतु किसी अन्य कार्यालय या अधिकारी को भेजने के लिए पृष्ठांकन लिखा जाता है।

प्रश्न 1.14 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर संक्षेपण का अर्थ है लघुकरण जबकि पल्लवन का अर्थ है वृद्धिकरण। संक्षेपण मे किसी लेख का सार होता है, पल्लवन में सार पर लेख लिखा जाता है

प्रश्न 1.15 पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर कार्यालयों के मध्य सूचना या जानकारी के आदान प्रदान हेतु कार्यालय ज्ञापन का प्रयोग होता है जबकि आमजन व कार्यालय के मध्य ज्ञापन का प्रयोग होता है।

प्रश्न- 01 प्रत्येक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/एक पंक्ति होगी।
प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line.
Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.16

उत्तर उपसर्ग, शब्द के आगे जुड़ते है जबकि प्रत्यय शब्द के पीछे जुड़ते है। उपसर्ग को चार भागों बांटा जा सकता है, प्रत्यय दो प्रकार के होते है।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.17

उत्तर 'क' वर्ग का उच्चारण कण्ठ से होता है, क और ख अघोष तथा ग, घ, ङ सघोष होते है और पहला व तीसरा वर्ण अल्पप्राण होते है।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.18

उत्तर उच्चारण काल के आधार पर स्वर तीन प्रकार के होते है, (1) लघु या ह्रस्व स्वर (2) दीर्घ स्वर तथा (3) विलुप्त या लुप्त स्वर।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.19

उत्तर विचार विनिमय के माध्यम को भाषा कहते है जबकि भाषा के उच्चारण मात्र को वाक् कहते हैं।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1.20

उत्तर स्वतंत्र रूप से उच्चारित ध्वनियो को स्वर कहतेहै, जबकि स्वर की सहायता से उच्चारित ध्वनियों को व्यंजन कहते है।

पू./M =03
प्राप्तांक

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line. Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न 1.22 | पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर नागरी प्रचारिणी सभा (1893) के उद्देश्य –
(i) हिंदी का मानवीयकरण (ii) लिपी की वैज्ञानिकता
(iii) शब्दकोष बढ़ाना (iv) हिंदी को प्रचारित करना

प्रश्न 1.21 | पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर अपभ्रंश से विकसित दो भाषाऐं –
पश्चिमी हिंदी (शौरसेनी अपभ्रंश)
सिंधी (व्राचड़ अपभ्रंश से)

प्रश्न 1.23 | पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर खड़ी बोली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है।

प्रश्न 1.24 | पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली तीन भाषाऐं – संस्कृत, हिंदी, मराठी है।

प्रश्न 1.25 | पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर 92 वाँ संविधान संशोधन से बोडो, डोंगरी मैथिली और संथाली भाषाऐ ~~अनुसूची~~ ~~भा~~ अनुसूची - 8 मे जोड़ी गई।

प्रश्न- 01 प्रत्येक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न की आदेश शब्द सीमा 10 शब्द/एक पंक्ति होगी।
प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line.
Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न 3. अ

उत्तर (i) Voice is a great boon. It also may be a big curse.

प्रश्न

उत्तर (ii) One mistake of our tongue or an abnormal word used may be creat an enemy where we hoped get a friend.

प्रश्न

उत्तर (iv) we can use a word that can carry such a meaning to our listener.

(iii) A normal voice of an educated

प्रश्न

उत्तर person may be effects like proud in a uneducated listener.

(v) Only a fool would express himself

प्रश्न

उत्तर equally in all human conditions and situations.

पू./M =03 प्राप्तांक

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line.
Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न प्र. 3 (ब)

पू./M =03

प्राप्तांक

उत्तर (i) लोकतंत्र अनुशासन , सहिष्णुता और आपसी सम्मान मांगता है।

(ii) दूसरो की आजादी की आजादी का सम्मान ही असल आजादी है।

पू./M =03

प्राप्तांक

(iii)

पू./M =03

प्राप्तांक

(iv)

(v) यह पूरी तरह से गलत नहीं है बल्कि पूरी तरह से मूर्खता पूर्ण भी है।

पू./M =03

प्राप्तांक

पू./M =03

प्राप्तांक

B3 Branch

प्रश्न- 01 प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line. Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न प्रश्न 4

उत्तर (i) गुणवाचक विशेषण

प्रश्न

उत्तर (ii) उद्धरण चिह्न (" ")
लाघव चिह्न (०) जैसे म०प्र०

प्रश्न

उत्तर (iii) रेखांकित शब्द क्रिया विशेषण है।

(iv) जग मंदिर = जग के समान मंदिर
प्रश्न इसमें कर्मधारय समास है।

उत्तर (v) नव ग्रह में द्विगु समास है।

(vi) रविप्रताप = रवि का प्रताप (तत्पुरुष समास)

प्रश्न

उत्तर (vii) अभ्यर्थी = अभि + अर्थी (यण् स्वर संधि)
(viii) भौ + अक = भावक (अयादि स्वर संधि)
(ix) विपत् + जाल = विपज्जाल (व्यंजन संधि)
(x) प्रत्युपकार मे यण् स्वर संधि है।

B3 Books

प्रश्न- 01 प्रत्येक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/एक पंक्ति होगी।
प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line.
Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न Q.5

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर (i) अकाज
(ii) अमलिका
(iii) सरस

प्रश्न

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर (iv) वासना = काम की इच्छा
बासना = गंध आना

प्रश्न (v) पताका = ध्वजा, झंडा, केतु आदि।

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर (vi) क्षिप्रहस्त अर्थात तेज या जल्दी काम करने वाला

(vii) रंगा सियार अर्थ ⇒ धोखा देने वाला

प्रश्न

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर (viii) उल्टे बांस बरेली को
अर्थ - विपरीत कार्य करना

प्रश्न (ix) Disparity = असमानता

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर (x) मानहानि = Defamation

B3 Books

प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line. Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न प्रश्न: 6

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर (1) कल्पना में आई रूप-व्यापार योजना का कवि या श्रोता को अंत: साक्षात्कार का बोध होता है।

प्रश्न

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर (2) भारतीय दृष्टि में काव्य ने भाव को प्रधानता दी और रस के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा की।

प्रश्न

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर (3) केवल देखने का आनंद ~~रमणीयता~~ काव्य की रमणीयता में है।

प्रश्न

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर (4) 'कल्पना' काव्य का भाव पक्ष है।

प्रश्न

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर

प्रश्न प्रश्न 7

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर (अ) संक्षेपण -

छायावादी कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कबीर के समान निर्भिक, स्पष्टवक्ता, सत्यवादी, फक्कड, सही को सही कहना और गलत को गलत कहने का साहसी, तार्किक चिंतन करने वाले कवि थे। दोनो ने ही भाव पूर्ण जीवंत रचनाऐं की हैं जो समाज को जागरूक करती है। दोनो ही संत व कवि थे। ये दोनो कवि अपने-अपने सूर्य थे अपने प्रकाश से समाज मे व्याप्त बुराई रूप अंधकार को दूर करने का प्रयास करते रहे।

प्रश्न

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर (ब) भाव पल्लवन

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी साहित्य के सूर्य है तो कबीर प्रकाश है। दोनो ही समाज में व्याप्त अतार्किक रीतियाँ, व्यर्थ दिखावे पर कटाक्ष करते थे। समाज में जो असहज है उसे सहज करने का प्रयास करते थे। ये दोनोही अपने समय के क्रांति अग्रदूत रहे हैं, कबीर जी ने समाज की धार्मिक आडंबरो, सामाजिक कुरीतियों/असमानताओ पर तीखे प्रहार किये है, फिर उनके समक्ष पंडित हो या मोलवी अपनी बात को स्पष्ट रूप से कहने में संकोच नही करते थे, ऐसे ही निराला थे जो यथार्थ को यथार्थ रूप में प्रस्तुत करते थे।